

# डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 3, सच्चे और झूठे भविष्यवक्ता

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 3 है, सच्चे और झूठे भविष्यवक्ता।

ठीक है, मैं शुरू करना चाहता हूँ।

तो, आइए प्रार्थना करें और फिर हम आगे बढ़ें। पिता, इस दिन के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। हमने कल नहीं देखा है, इसलिए हम आपको आज अध्ययन करने, आज सोचने, हमारी कक्षाओं में, हमारी बातचीत में, और एक दूसरे के साथ संगति करने के हमारे अवसरों में नए तरीकों से चुनौती दिए जाने के अवसर के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम आपको मसीह के स्कूल के लिए धन्यवाद देते हैं। हम आपको परमेश्वर के वचन के लिए धन्यवाद देते हैं, क्योंकि जब हमारे आस-पास की हर चीज़ हिल रही होती है, डगमगा रही होती है और बदल रही होती है, तो हम आपको धन्यवाद देते हैं कि हमारे पास खड़े होने के लिए एक चट्टान है। ठोस वचन के लिए धन्यवाद।

प्रार्थना करें कि जब हम भविष्यवक्ताओं को सुनें तो हम महसूस करें कि उनके लिए आपका संदेश हमारी पीढ़ी के लिए भविष्यसूचक संदेश है। इसलिए, जब हम इन विषयों और उन चीज़ों पर विचार करते हैं जो उनका इतना बड़ा हिस्सा थीं, तो हमें इन चीज़ों को ग्रहण करने और आपकी कृपा से उन्हें जीने में मदद करें। मैं अपने प्रभु मसीह के माध्यम से यह माँगता हूँ।  
आमीन।

ठीक है, आज के लिए मेरा विषय यह है कि मैं सच्चे और झूठे भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करना चाहता हूँ और जो वास्तविक को नकली से, सच्चे को झूठे से अलग करता है। यह लगभग बिना कहे ही स्पष्ट है कि जो कुछ भी वास्तविक है और सच्चा और महान है और जिस तरह से होना चाहिए उसका एक अच्छा और उचित और स्पष्ट उदाहरण है, लोगों को लुभाने और उन्हें लुभाने के लिए वैकल्पिक अभिव्यक्तियाँ बनाई गई हैं ताकि वे वास्तविक दिखें, लेकिन दिन के अंत में, वे केवल केंद्र से बाहर नहीं हैं।

कभी-कभी, वे धोखेबाज होते हैं, और कभी-कभी, वे वास्तव में अच्छे और उचित के अलावा किसी और चीज़ में निहित होते हैं और, विषय क्षेत्र में, वास्तव में पवित्र और ईश्वरीय प्रेरणा। यह आपके अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक जीवन के लिए चुनौतियों में से एक है। यह मेरे लिए है।

यह हर विश्वासी के लिए है। हम असली से नकली को कैसे पहचानते हैं? जब बात भविष्यवक्ताओं की दुनिया की आती है, तो ऐसा कोई सरल सूत्र नहीं था जिसका पालन लोगों को यह गारंटी देने के लिए करना पड़ता था कि जिस व्यक्ति की वे बात सुन रहे हैं वह वास्तव में ईश्वर का आदमी है,

जिसे ईश्वर ने भविष्यवाणी करने के लिए बुलाया है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि कोई भी ऐसा परीक्षण है जो किसी भविष्यवक्ता के दावों को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त हो।

लेकिन मैं कई बातें कहना चाहता हूँ, जिन्हें जब संचयी रूप से लिया जाता है और जब आप इसे समग्र रूप से देखते हैं, तो वे या तो इस बात की पुष्टि के संकेत हैं कि यह व्यक्ति वास्तव में ईश्वर की बात करता है, और वह ईश्वर के दूतों में से एक है, या मैं इतना निश्चित नहीं हूँ। अब, हर बार जब आप रेडियो पर किसी ऐसे व्यक्ति को सुनते हैं जो कथित तौर पर ईश्वर के वचन का प्रचार कर रहा है या हर बार जब आप किसी मीटिंग में जाते हैं जहाँ कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जो पहले कभी नहीं सुना हो, तो आपके दिमाग में कुछ ऐसे चक्र घूमने लगते हैं। एक बार जब आप अपने जीवन में एक बार जल चुके होते हैं, तो आप थोड़े अधिक संशयी हो जाते हैं।

और एक स्वस्थ संदेह की आवश्यकता है। नए नियम में सबसे महान भविष्यवक्ता ने एक बार कहा था कि हर कोई जो प्रभु, प्रभु कहता है, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा। लेकिन जो ऐसा करता है, वह स्वर्ग में मेरे पिता की इच्छा है।

वहाँ बहुत से लोग हैं जो भाषा जानते हैं। वे भाषा बोल सकते हैं, लेकिन सिर्फ इसलिए कि आप उस भाषा को बोलते हैं जो आपको लगता है कि भविष्यवक्ताओं को बोलनी चाहिए, यह अपने आप में काफ़ी नहीं है। ठीक है, तो आइए कुछ ऐसे संकेतों पर नज़र डालें जिन पर बाइबल खुद ज़ोर देती है ताकि किसी व्यक्ति को वास्तव में ईश्वर की ओर से और उस भविष्यवाणी के बुलावे के रूप में चिह्नित किया जा सके। फिर से, ध्यान रखें कि पुरोहिताई वंशानुगत थी, लेकिन भविष्यवक्ता बनने के लिए, आपको उस कार्य को करने के लिए ईश्वर द्वारा बुलाया गया था।

तो, पहला बिंदु: एक भविष्यवक्ता वह व्यक्ति होता है जो ईश्वर द्वारा स्पष्ट आह्वान के बारे में जानता है। आपको पीछे जाकर उस पर खड़ा होना होगा। जब आप हिब्रू बाइबिल को देखते हैं, तो ऐसे लोग थे जिन्हें कुछ स्थानों पर कुछ खास अनुभव हुए थे, और उन्होंने वापस जाकर उन अनुभवों को याद किया।

याकूब एक उदाहरण मात्र है जिसने स्वर्ग की ओर जाने वाली सीढ़ी पर स्वर्गदूतों को ऊपर-नीचे जाते देखा। याकूब को यह पुष्टि करने का परमेश्वर का तरीका था, जबकि याकूब एक भविष्यवक्ता नहीं था, परमेश्वर का उसे यह पुष्टि करने का तरीका था कि जो उसके दादा अब्राहम के साथ शुरू हुआ था, वही उसके पिता इसहाक को भी दोहराया गया था। अब, परमेश्वर ने याकूब को उन चुने हुए लोगों में से एक भी कहा जिनके माध्यम से परमेश्वर काम करने जा रहा था।

अब एक भविष्यवक्ता होने के नाते, वह ईश्वर की ओर से एक स्पष्ट आह्वान के बारे में जानते थे। यह व्यवसायिक चुनाव का मामला नहीं था। यह किसी योग्यता परीक्षा का अनुसरण नहीं था।

मैंने कई बार छात्रों को बताया कि मैं कॉलेज में नया छात्र था, और उन्होंने मुझे व्यावसायिक योग्यता परीक्षा दी। कॉलेज के डीन ने मुझे बुलाया, और उन्होंने कहा, मैं आपको परिणाम पढ़ना चाहता हूँ। आपने वन रेंजर और YMCA निदेशक के रूप में सबसे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

तो, आप आउटडोर शिक्षा या अपनी वर्तमान पढ़ाई से अलग कुछ और करने पर विचार कर सकते हैं। अब अगर मैंने उस आदमी की बात सुनी होती, तो शायद मैं जिम में YMCA गाने गा रहा होता या पुराने गानों पर नाच रहा होता। मुझे नहीं पता।

लेकिन मुझे अपने दिल की बात सुननी थी। भविष्यवक्ता बनना यह कहने जैसा नहीं था कि, अरे, मुझे लगता है कि जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तो मैं यह करना चाहूंगा। फिर से, जैसा कि मैंने अपने पिछले व्याख्यान में कहा था, ऐसे बहुत से भविष्यवक्ता थे जिन्होंने भविष्यवक्ता होने के विचार का विरोध किया था।

और फिर एक पैगम्बर को उसके बाहर की शक्ति द्वारा इस काम में धकेला गया। यह पूरी तरह से मानवीय पसंद का मामला नहीं था। यह किसी विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण का मामला नहीं था।

बाइबल में ऐसे कई भविष्यवक्ता पाए गए हैं जो विभिन्न पृष्ठभूमियों से आते हैं। और मूसा, जो बाइबल के सबसे महान बुद्धिजीवियों में से एक है। प्रेरितों के काम की पुस्तक में स्टीफन के भाषण के अनुसार, वह मिस्रियों के सभी ज्ञान में पारंगत था, जिसका अर्थ है कि वह संभवतः तीन भाषाएँ बोलता था।

वह मिस्र की भाषा जानता था। वह उस समय की भाषा जानता था, जो अक्कादियन थी, क्यूनैफॉर्म पाठ, साथ ही, निश्चित रूप से, अपने स्वयं के हिब्रू लोगों की अपनी मूल भाषा भी जानता था। और इसलिए मूसा, मिस्र के दरबार के ट्यूटोरियल में, उस समय के लिए एक शानदार शिक्षा प्राप्त की होगी, राजघरानों की उपस्थिति में बड़ा हुआ क्योंकि वह मिस्र की राजकुमारी का दत्तक पुत्र था।

इसलिए, मूसा बहुत-बहुत विद्वान था, लेकिन मूसा को जलती हुई झाड़ी का अनुभव होना चाहिए था। वह केवल एक महान शिक्षा पर निर्भर नहीं रह सकता था। इसलिए, मूसा के लिए किसी विशेष व्यावसायिक या आध्यात्मिक प्रशिक्षण की कोई बात नहीं थी।

यही बात अमोस के बारे में भी सच थी। वह एक चरवाहा था, और गूलर के अंजीरों में काम करता था। वह बागवानी करने वाला, बाहरी व्यक्ति था, जो प्रकृति के करीब था।

अगर वह बोस्टन क्षेत्र के आसपास होता, तो आप उसे वाल्डेन तालाब में, शायद प्रकृति के बीच, बाहर का आनंद लेते हुए पाते। इसलिए, उसे जन्म से विरासत में नहीं मिला था। बल्कि, ईश्वर ने भविष्यवक्ता बनाने की पहल की, और यह महत्वपूर्ण है।

नबी को परमेश्वर ने बुलाया था, और परमेश्वर ने बुलाया था, इसलिए वह कार्य के लिए सुसज्जित भी था। ईश्वरीय बुलावे ने नबी को परमेश्वर की उपस्थिति में होने का एहसास कराया। और जो कोई भी परमेश्वर की उपस्थिति में है, वह आगे बढ़ता है।

वैसे, आधुनिक दुनिया में हमारे सामने एक समस्या यह है कि हम सचेत नहीं हो पाते कि भगवान कुछ कह रहे हैं। आधुनिक दुनिया में, अगर यीशु अभी इस कमरे में आकर हमें भविष्यवाणी का

वचन देते, तो यह हम सभी के लिए दो या तीन हजार साल पहले लिखे गए पाठ को पढ़ने की तुलना में थोड़ा ज़्यादा शक्तिशाली, प्रभावशाली और यादगार हो सकता था, इसकी तात्कालिकता, इसका प्रभाव। और इसलिए, बहुत ही नाटकीय तरीके से, हमेशा नाटकीय नहीं, बल्कि अक्सर नाटकीय तरीके से, उस भविष्यवक्ता को भगवान की उपस्थिति में खड़े होने के प्रति सचेत किया।

अपनी चप्पलें उतारो, और तुम पवित्र भूमि पर खड़े हो, जलती हुई झाड़ी के पास से एक आवाज़ मूसा से बोली। और उसने उसी के अनुसार जवाब दिया। जब आप शमूएल को देखते हैं, तो शमूएल को परमेश्वर का बुलावा था, और वह एक भविष्यवक्ता था।

क्या परमेश्वर ऊँची आवाज़ में पुकारता है? जाहिर है, पुराने नियम में कम से कम एक या एक से ज़्यादा जगहों पर उसने ऐसा किया होगा, क्योंकि शमूएल ने परमेश्वर की आवाज़ को एली की आवाज़ समझ लिया था, जैसा कि 1 शमूएल 3 में बताया गया है। यशायाह को यह दर्शन तब मिला जब उसे सिंहासन पर बैठे प्रभु की सेवा में धकेल दिया गया और मंदिर में धुआँ भर गया और मंदिर की दहलीज़ हिलने लगी और एक आवाज़ उसे पुकारने के लिए आई। बड़ी, बोल्ड और नाटकीय।

यहेजकेल को बहुत आश्चर्य हुआ। यहेजकेल के शुरुआती अध्यायों को पढ़ें। बेबीलोन के उस बुतपरस्त माहौल में उसे एक विस्तृत दर्शन हुआ।

जैसा कि मैंने पिछली बार यिर्मयाह के पहले अध्याय से पढ़ा था, यिर्मयाह जानता था कि प्रभु ने उसे बुलाया है। उसे यकीन था कि प्रभु बोल रहे हैं। दूसरी ओर, बाइबल में हमारे पास ऐसे भविष्यवक्ता हैं जो किसी बड़ी, साहसिक और नाटकीय बात के बारे में बात नहीं करते।

आमोस ने कहा, प्रभु ने मुझे झुंड के पीछे जाने से बुलाया और कहा, मेरे लोगों इस्राएल के लिए भविष्यवाणी करने के लिए जाओ। उनके बुलावे के बारे में हमें और कुछ नहीं पता। इसलिए, जहाँ तक योना का सवाल है, उठो और उस महान शहर नीनवे जाओ।

हम योना और उसकी परिस्थितियों के बारे में ज़्यादा नहीं जानते, सिवाय इसके कि वह उठकर निनवे गया। कई अन्य भविष्यवक्ताओं के साथ भी ऐसा ही हुआ। लेकिन फिर से, ईश्वरीय बुलावे ने भविष्यवक्ता को परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति सचेत किया।

और जब उसे यह पता चला, तो वह आगे बढ़ गया। लेकिन कोई भी लोगों के सामने खड़े होकर संदेश देने की हिम्मत नहीं करता था, जब तक कि उसे पूरी तरह से यकीन न हो कि वह परमेश्वर के सामने खड़ा है। तो, आपके पास 1 राजा 17:1 में वह दिलचस्प अंश है, जो कहता है, अब गलील के तिश्बे से तिश्बी एलिय्याह ने अहाब से कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा, जिसकी मैं सेवा करता हूँ, उसके जीवन की शपथ, अगले कुछ वर्षों में न तो ओस पड़ेगी और न ही बारिश होगी।

जिस प्रभु के सामने मैं खड़ा हूँ या जिसकी सेवा करता हूँ, वह जानता था कि प्रभु ने उसे बुलाया है। अब, मेरा मानना है कि बाइबिल के भविष्यवक्ता का बुलावा अद्वितीय था। इसे हम अद्वितीय कह सकते हैं।

यह अपने आप में एक प्रकार है - अद्वितीय। पैगम्बर का पद अद्वितीय था।

संक्षेप में, हमें यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि परमेश्वर आज लोगों को ठीक उसी तरह बुलाएगा। और जबकि 1 कुरिन्थियों 12 और 14 का करिश्मा वास्तव में प्रारंभिक चर्च के लिए पॉल के निर्देश का हिस्सा हो सकता है, और वहाँ वह भविष्यवाणी के उपहार की बात करता है, भविष्यवक्ता का पद अलग है। अगर आज चर्च में प्रामाणिक भविष्यवाणी है, और मैं वास्तव में विश्वास करता हूँ कि ऐसा हो सकता है, और मैंने भी ऐसा देखा है, तो यह बाइबिल की भविष्यवाणी के समान नहीं है।

बाइबिल की भविष्यवाणी ईश्वर का वचन थी और उसमें लिखित थी। नए नियम में, हमें भविष्यवक्ताओं की परीक्षा लेने के लिए कहा गया है क्योंकि भविष्यवक्ता की आत्मा भविष्यवक्ता के अधीन होती है। यह किसी दिए गए स्थानीय परिस्थिति के लिए संदेश हो सकता है, प्रोत्साहन का शब्द हो सकता है, या शरीर को सुधारने के लिए आशा का शब्द हो सकता है।

लेकिन भविष्यवक्ता का पद अद्वितीय था। हमें यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि परमेश्वर इस तरह से बुलाएगा क्योंकि परमेश्वर ने इस समय के दौरान अपने द्वारा उठाए गए लोगों से उस अद्वितीय तरीके से बात की थी। पवित्रशास्त्र का कैनन बंद है।

यह खुला नहीं है। कई दशक पहले, कोई व्यक्ति किसी बाइबल सोसाइटी में भागता हुआ आया और किसी ने कहा, मेरे पास प्रेरितों के काम की पुस्तक का 29वाँ अध्याय है। खैर, प्रेरितों के काम का अंत 28 पर होता है।

नहीं, मुझे नहीं लगता कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। एक समय ऐसा भी था जब परमेश्वर ने बात की थी। और इसे ही हम रहस्योद्घाटन मानते हैं।

अब, हम सभी को आज के बुलावे और ईसाई बुलावे का एहसास हो सकता है। वास्तव में, सभी ईसाई बुलाए गए हैं। हमें परमेश्वर ने अपना जीवन उसके लिए जीने के लिए बुलाया है।

और हमें अपनी परिस्थितियों में यह देखना होगा कि परमेश्वर ने हमें किस तरह से अपने बगीचे में किसी भी कार्य के लिए सुसज्जित किया है। और उस व्यक्तिपरक जागरूकता को महसूस करना होगा। लेकिन ईसाई व्यवसाय को समझने के मामले में यह बिलकुल अलग है।

मुझे अपने जीवन में क्या करना चाहिए क्योंकि मुझे मसीह में उसकी सेवा करने के लिए बुलाया गया है? मेरे पास जीवन भर में कई अलग-अलग व्यवसाय कार्ड हो सकते हैं, लेकिन मैं एक ही प्रभु की सेवा कर रहा हूँ। वह मुझे दाख की बारी के एक अलग हिस्से में तैनात कर सकता है, लेकिन मैं एक ही प्रभु की सेवा कर रहा हूँ। और इसलिए बुलावे की भावना।

मुझे नहीं लगता कि यह सब अपने आप ही होना चाहिए। आपको अपने जीवन में क्या करना है, इस बारे में आपको सोच-समझकर काम करना चाहिए। अपने दिल की सुनो।

पवित्र आत्मा की बात सुनो। पवित्रशास्त्र का अध्ययन करो। दोस्तों से बुद्धिमानी भरी सलाह लो।

जो तुम्हें करना चाहिए, जो तुम्हें करने के लिए मजबूर किया गया है, वह करो। और परमेश्वर तुम्हारा मार्गदर्शन करेगा और तुम्हें आगे ले जाएगा।

इसलिए, हम सभी के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन मौजूद है, जिन्हें मसीह के पास बुलाया गया है और उनकी सेवा करनी है। कोई भी गैर-पवित्र व्यवसाय नहीं है। हम सभी को अपने जीवन के साथ उनकी सेवा करने के लिए बुलाया गया है।

और गॉर्डन में कोई गैर-पवित्र मेजर नहीं हैं। हम द्वैतवादी नहीं हैं। हम अपना जीवन उसके लिए जीते हैं।

ईश्वर से प्रेम करने वाले और मस्तिष्क सर्जन, पत्रकार, युवा कार्यकर्ता या पादरी के रूप में उनकी सेवा करने वाले आस्तिक होने में आध्यात्मिकता कम नहीं है। हम सभी उनकी सेवा कर रहे हैं। हालाँकि, ईश्वर ने पैगंबर को एक निश्चित समय अवधि के लिए ईश्वर के वचन को बोलने के लिए अलग रखा है।

आप और मैं, चाहे हम कितने भी वाक्पटु क्यों न हों, कुछ समय में आध्यात्मिक बातें बोल सकते हैं, लेकिन हम कभी भी परमेश्वर का वचन नहीं बोल रहे होते हैं। हम जो बोल रहे होते हैं, वह परमेश्वर के वचन पर हमारे चिंतन और परमेश्वर ने जो पहले ही कहा है, उस पर निर्माण करना होता है। और इसलिए, जब हम भविष्यसूचक सेवकाई में प्रवेश करते हैं, तो हम क्या कर रहे होते हैं, और क्या आज लोगों के पास भविष्यसूचक सेवकाई है? बिल्कुल।

भविष्यसूचक सेवकाई का अर्थ है भविष्यवक्ताओं में पाई जाने वाली सामग्री को सिखाना और सिखाना। और जब हम भविष्यसूचक रूप से जी रहे होते हैं, तो हमें गरीबों की चिंता होगी। जब हम भविष्यसूचक रूप से जी रहे होते हैं, तो हम दुनिया में अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाएँगे।

जब हम भविष्यवक्ता के रूप में जी रहे होते हैं, तो हमारा जीवन बाइबिल के भविष्यवक्ताओं की चिंताओं को प्रतिबिंबित करेगा। ठीक है, तो पहला बिंदु यह है कि भविष्यवक्ता को ईश्वर से बुलावा आया था। इस पर कोई टिप्पणी या प्रश्न हो तो बेझिझक पूछें।

सच्चे भविष्यवक्ता की दूसरी परीक्षा बाइबल थी, जो इस तथ्य पर जोर देती है कि भविष्यवक्ता इस बात से अवगत थे कि उनके शब्द पवित्र आत्मा से प्रेरित थे। प्राचीन निकट पूर्व में तथाकथित परमानंद भविष्यवक्ताओं और इज़राइल के भविष्यवक्ताओं के बीच अंतर ईश्वरीय रहस्योद्घाटन द्वारा लाई गई भविष्यवाणी चेतना का तथ्य था। बार-बार, एक मनोवैज्ञानिक दृढ़ विश्वास है कि भगवान ने खुद को प्रकट किया था और उनसे अपना वचन बोला था।

बस हैंडेल के मसीहा को सुनिए, जो भविष्यवक्ता यशायाह को दर्शाता है। क्योंकि प्रभु के मुख ने यह कहा है, या प्रभु ने ऐसा कहा है, या मैंने प्रभु की आवाज़ सुनी है, या फिर प्रभु ने मुझसे कहा, ये वे सूत्र हैं जो तुम्हें भविष्यवक्ताओं में मिलते हैं, मैंने अपने शब्द तुम्हारे मुँह में डाले हैं, या प्रभु का वचन मेरे पास आया। एनआईवी, को अमर अडोनाई, यह वही है जो प्रभु कहते हैं, कोलोन, और फिर आपने इसे फाड़ दिया।

प्रभु यही कहते हैं। भविष्यवक्ता को परमेश्वर द्वारा दिए गए शब्दों को बोलने का पूरा ज्ञान था। दूसरे शब्दों में, कुछ हद तक, भविष्यवक्ता परमेश्वर के व्यक्तित्व का विस्तार था।

उसने वही शब्द बोले जो परमेश्वर की पवित्र आत्मा ने उसे बोलने के लिए प्रेरित किया। यह विशेष रूप से इस्राएल के भविष्यवक्ताओं में कुछ स्थानों पर स्पष्ट और स्पष्ट है जहाँ क्रिया के प्रथम पुरुष का उपयोग किया गया है। जब हम होशे को पढ़ते हैं, तो हम इस तरह की भाषा पढ़ेंगे।

मैं उनकी गिरती हुई आत्मा को ठीक कर दूँगा। क्रिया का प्रथम पुरुष। मैं दृढ़ प्रेम चाहता हूँ, बलिदान नहीं।

होशे 6.6. यह परमेश्वर भविष्यवक्ता के माध्यम से बोल रहा है। होशे 11.4. मैंने उन्हें करुणा की डोरी और प्रेम के बंधन से चलाया। इसलिए कभी-कभी, आप परमेश्वर को भविष्यवक्ता के माध्यम से बोलते हुए पाते हैं, यहाँ तक कि प्रथम व्यक्ति में भी।

तो, यह परमेश्वर की आत्मा ही थी जिसने भविष्यवक्ता को प्राकृतिक मानवीय आँखों और मन से छिपी हुई चीज़ों को देखने में सक्षम बनाया। यह पवित्र आत्मा ही थी जिसने सत्य को प्रकट करते हुए आध्यात्मिक आँखें खोलीं। यह परमेश्वर की आत्मा ही थी जिसने भविष्यवक्ता को निर्भीकता से बोलने में सक्षम बनाया।

क्योंकि दुनिया में बहुत कम लोग इतने साहसी हैं कि वे उठकर वही बातें कहें जो भविष्यवक्ताओं ने कही थीं, दूसरे शब्दों में, उन्होंने ईश्वरीय मजबूरी में कहा था। यिर्मयाह 20:9 में एक श्लोक है जो यह कहता है।

लोग यिर्मयाह को चुप कराने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि वह बुरी खबर देने वाला व्यक्ति था जो दक्षिणी राज्य के विनाश के बारे में बात कर रहा था। और उसकी बातें बहुत ही देशद्रोही लग रही थीं। और लोग उसे सच में चुप रहने के लिए कह रहे थे।

वह 20:9 में यह कहता है। यदि मैं कहूँ कि मैं उसका उल्लेख नहीं करूँगा या उसके नाम से, अर्थात् परमेश्वर के नाम से, कुछ नहीं बोलूँगा, तो उसका वचन मेरे हृदय में आग की तरह है, मेरी हड्डियों में बन्द आग की तरह। मैं इसे रोकते-रोकते थक गया हूँ। वास्तव में, मैं ऐसा नहीं कर सकता।

तो, यह वर्णन कि उसकी हड्डियों में आग बंद होने का क्या मतलब था। और उसे बोलने के लिए मजबूर किया गया। यह आत्मा की भूमिका थी।

अब, उदार धर्मशास्त्रीय मंडलियों में भविष्यवक्ताओं को मानव प्रतिभा के रूप में देखने की प्रवृत्ति अधिक है। हम हमेशा से जानते थे कि व्यक्ति पवित्र और धार्मिक होने की ओर झुकाव रखता है। और वे जुबान से चतुर और दिमाग से चतुर विचारक होते हैं।

और इसलिए, उस धार्मिक स्वभाव, उस तरह की स्वाभाविक धर्मपरायणता, उस तरह की आध्यात्मिक प्रतिभा के कारण जो कुछ लोगों में होती है, हम समझते हैं कि वे भविष्यवक्ता क्यों थे। उनके पास ये सहज ज्ञान युक्त उपहार थे जहाँ वे लोगों और सामाजिक स्थितियों को अच्छी तरह से समझ सकते थे। उनके पास निदान उपकरण थे जिससे वे देख सकते थे कि भविष्य में कब समस्याएँ आने वाली हैं, कब शेयर बाज़ार गिरेगा।

वे महीनों पहले की बातें देख सकते थे। स्वाभाविक रूप से उनमें ये संवेदनशीलता और सही-गलत के मुद्दों को समझने की नैतिक जागरूकता थी। और उनमें अपने समकालीनों की तुलना में अधिक स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता थी।

हालाँकि, बाइबल भविष्यवक्ताओं को उस तरह से प्रस्तुत नहीं करती है। बाइबल उन्हें बताती है कि यह मूल क्षमता का मामला नहीं है। और मैं कह सकता हूँ, अगर आप मूल क्षमता पर निर्भर हैं तो किसी तथाकथित ईसाई व्यवसाय का पीछा न करें।

प्राकृतिक प्रतिभा। हमारे परे भी कुछ है। या तो परमेश्वर का अभिषेक हमारे जीवन में वह सब पूरा करेगा जो करने की आवश्यकता है, या उस कार्य के लिए हमारा उस पर भरोसा।

लेकिन भविष्यवक्ता ही थे जो वास्तव में इसे समझते थे। यहाँ तक कि मूसा भी कहता है, हे प्रभु, मुझे सार्वजनिक भाषण देने का शौक नहीं है। मैंने कभी भाषण कला या उपदेश का कोर्स नहीं किया।

किसी और को भेजो। भगवान क्या लेकर वापस आएंगे? शास्त्र का यही मंत्र है। लेकिन मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।

लेकिन मैं तुम्हारे साथ रहूँगा। लेकिन मैं तुम्हारे साथ रहूँगा। दूसरे शब्दों में, शक्ति, उत्कृष्टता और योग्यता मानव शरीर से परे थी।

इसलिए, यह नबी के भीतर जन्मजात क्षमता या जन्मजात प्रतिभा का मामला नहीं था। बल्कि, नबी में भविष्यवाणी करने की भावना कुछ खास समय और कुछ खास मौकों पर आती है जब वह नबी परमेश्वर का वचन बोलता है। मुझे नहीं लगता कि यशायाह रात को घर आया, अपने पैर ऊपर रखे, खाना खाया, अपनी पत्नी से मुंह खोला और परमेश्वर का वचन बोला।

आम तौर पर, उन्हें नवी या भविष्यवक्ता कहा जाता था, लेकिन जरूरी नहीं कि वे भविष्यवाणी कर रहे हों। वैसे, चर्च में हमारी यही समस्या है।

मैं कई चर्चों को जानता हूँ, जहाँ मैं अपने शिक्षण मंत्रालय के कई वर्षों के दौरान आया हूँ, जहाँ चर्चों में ऐसे लोग हैं जो भविष्यसूचक संदेश देने के लिए जाने जाते हैं। लोग, विस्तार से, उन्हें चर्च

में रहने वाले भविष्यवक्ता के रूप में देखते हैं। क्या हमारे पास इस पर कुछ कहने को है? क्या हमारे पास उस पर कुछ कहने को है? मानो वे हमेशा ऐसा व्यक्ति बनने के लिए तैयार रहते हैं जो मण्डली के लिए, ईश्वर के मन में, एक्स-कैथेड्रा की तरह बोलता है।

अगर मैं 1 कुरिन्थियों को समझूँ, अगर कोई यह कहना चाहता है कि परमेश्वर के पास आज चर्च से कहने के लिए कुछ है, तो संभवतः मसीह के शरीर का कोई भी सदस्य, बुद्धि का उपहार, ज्ञान का उपहार, एक उपहार उस बर्तन के माध्यम से बह सकता है और उस करिश्मा, करिश्मा, उपहारों को ला सकता है, उन्हें शरीर के निर्माण के लिए वितरित कर सकता है। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसके पास हर समय यह क्षमता हो। इसलिए, पुराने नियम में, पवित्र आत्मा की शक्ति भविष्यवक्ता के जीवन में आई, और उसने बात की।

अपने मन से नहीं बल्कि पवित्र आत्मा के कारण। अब, हमारे लिए इसे परिभाषित करने के लिए सबसे स्पष्ट अंशों में से एक 2 पतरस 1:21 है। पतरस कहता है कि कोई भी भविष्यवाणी मानवीय आवेग से नहीं आई। दूसरे शब्दों में, वह भविष्यवाणी की मानवीय उत्पत्ति से इनकार करता है।

लेकिन, मनुष्य पवित्र आत्मा द्वारा जन्म लेते हैं, ग्रीक में फेरोमेनोस, जिसका अर्थ है लगातार अकेले जन्म लेना। यह एक निष्क्रिय कृदंत है। यह दर्शाता है कि पैगंबर पर कार्य किया गया था, न कि कार्य का उत्पादन किया गया था।

तो, वह साथ में पैदा हुआ, साथ में ले जाया गया। यदि आपने प्रथम वर्ष में ग्रीक का अध्ययन किया है, तो आप जानते होंगे कि फेरो मूल शब्द है जिसका अर्थ है ले जाना, ले जाना। और इसलिए, यह पवित्र आत्मा ही थी जिसने पवित्र आत्मा के माध्यम से पैगंबर को जन्म दिया या ले जाया।

अब, हिब्रू बाइबिल में कई तरह के पाठ हैं जो पवित्र आत्मा के कार्य से जुड़े हैं। आप हिब्रू बाइबिल में त्रिदेव के तीनों सदस्यों को अलग-अलग संदर्भों और अलग-अलग जगहों पर पाएंगे। आप सबसे पहले उत्पत्ति के शुरुआती शब्दों में पवित्र आत्मा से मिलते हैं, जहाँ यह परमेश्वर की रूआख है।

आप जानते हैं, रूआख क्या है? ऊर्जा, जीवंतता, जीवन। आत्मा जीवन और शक्ति की सांस लेने से जुड़ी है। वह पानी पर प्रजनन कर रहा है, पानी पर चिंतन कर रहा है, बेहतर शब्द।

पानी के ऊपर मंडराता हुआ। यह शब्द पक्षीविज्ञान से लिया गया है, जैसे एक माँ पक्षी घोंसले के ऊपर मंडराती है। तो, आत्मा भविष्यवक्ता में काम कर रही है, भविष्यवक्ता को प्रेरित कर रही है।

नहेमायाह 30, अध्याय 9 की 30वीं आयत कहती है, "हे प्रभु, तूने अपने आत्मा के द्वारा इस्राएल को अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा चेतावनी दी। इसलिए, यह तेरी आत्मा के द्वारा है कि तूने अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा इस्राएल को चेतावनी दी। यहजेकेल, वहाँ बेबीलोन के बुतपरस्त क्षेत्र में।

यहेजकेल 8, 1 और 11, 5. वह कहता है, "प्रभु की आत्मा मुझ पर उतरी और मुझसे कहने को कहा।" यह भविष्यवाणी साहित्य में जितना स्पष्ट हो सकता है, उतना ही स्पष्ट है। प्रभु की आत्मा मुझ पर उतरी और मुझसे कहने को कहा।

मीका 3, 8. जहाँ तक मेरी बात है, मैं प्रभु की आत्मा से सामर्थ्य से भरा हुआ हूँ। प्रभु कहते हैं, सामर्थ्य से नहीं, बल्कि मेरी आत्मा से। जकर्याह 4, 6. तो, इन शब्दों की चेतना पवित्र आत्मा से प्रेरित थी।

इसलिए, बाइबल में एक जगह जहाँ हम कहते हैं कि बाइबल परमेश्वर का प्रेरित वचन है, 2 तीमुथियुस 3:15 और 16, विशेष रूप से पद 16, कहता है, सारा शास्त्र थियोपनेस्टोस है। यह परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया है। और जैसा कि हम शास्त्रों को समझते हैं, भविष्यवक्ता ने जो कहा, वह उस बोलने का परिणाम है।

तीसरा बिन्दु एक सच्चे भविष्यवक्ता की विशेषताओं के बारे में है। तो, एक व्यक्ति अपने मन से नहीं बोलता। वह आत्मा की प्रेरणा से बोलता है।

हमारा तीसरा बिंदु, पैगंबर ने बुतपरस्त भविष्यवाणी के ज़रिए सत्य की खोज नहीं की। अब, प्राचीन दुनिया आधुनिक दुनिया की तरह ऐसे लोगों से भरी हुई थी जो जुड़ना चाहते थे। पिछली रात, मैं रूट 1 पर बोस्टन से बाहर निकल रहा था, और मैंने खिड़की में एक बड़ा रोशन साइन देखा।

मानसिक रीडिंग। मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति मौजूद है। लोगों को अंदर आने के लिए लुभाने की कोशिश कर रहा है।

उनकी हथेलियाँ पढ़ना। उनके भाग्य, उनके भविष्य, संभावनाओं के बारे में घोषणाएँ करना। हर कोई अपने भविष्य का अर्थ जानने के लिए उत्सुक रहता है।

इसलिए, रहस्यवाद के प्रति जुनून। राशि चक्र के संकेतों को पढ़ना। टैरो कार्ड पढ़ना।

सेंस में शामिल होना। चीजों के साथ संवाद करना लोगों द्वारा महसूस किया जाता है। वे अपने जीवन में अर्थ तलाश रहे हैं।

अब, टोरा में इज़राइल में पाए जाने वाले ये मूर्तिपूजक स्रोत हमें इनमें से कुछ चीज़ों की सूची देते हैं जो कनानियों की दुनिया में काफी प्रचलित थीं। व्यवस्थाविवरण 18, आयत 9 से 14 में, उन प्रथाओं के बारे में बात की गई है जिन्हें परमेश्वर के लोगों को नहीं अपनाना चाहिए था। व्यवस्थाविवरण 18, आयत 9 : राष्ट्रों के घृणित तरीकों का अनुकरण न करें।

तुम्हारे बीच ऐसा कोई न हो जो अपने बेटे या बेटी को आग में बलि चढ़ाए। जब हम मीका और उसके संदेश के बारे में बात करेंगे तो हम उस पाठ पर वापस आएँगे। लेकिन, बच्चे, बलिदान करो।

जो कुछ भी आपके पास है, उसे सबसे अच्छा दें। देवता को अपने वश में करें ताकि वह आपसे और अधिक प्रेम करें। आपको अधिक प्रचुर मात्रा में फसलें और भौतिक आशीर्वाद दें।

इसलिए, जितना हो सके उतना अच्छा दें। आप में से कोई भी ऐसा न हो जो भविष्यवाणी या जादू-टोना करता हो, प्राचीन दुनिया में शगुन की व्याख्या करता हो, पक्षियों की रचना करता हो, पानी पर तेल की एक छोटी बूंद डालकर उसका आकार देखता हो, बादलों की रचना का अध्ययन करता हो, जिगर की जांच करता हो, जानवरों की अंतर्दृष्टियों की जांच करता हो, जो मेसोपोटामिया में एक पसंदीदा अभ्यास था, जिसे हेपेटोस्कोपी कहा जाता है। मैंने अपने जीवनकाल में कुछ ढीले जिगर से निपटा है।

लूज लीवर के कई प्रकार होते हैं। यह एक जैविक मामला था। इन चीजों का अध्ययन करने की कोशिश की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हमारे राजा को अभी युद्ध में जाना चाहिए या बाद में।

और इसलिए, प्राचीन मेसोपोटामिया में, आपके पास ये बारू पुजारी थे जो इन चीजों का अध्ययन करके कोई शगुन, कोई संकेत पाने की कोशिश करते थे। आप में से कोई भी ऐसा नहीं होना चाहिए जो जादू-टोना करता हो, या जो कोई माध्यम हो, या भूत-प्रेत हो, या जो मृतकों से सलाह लेता हो। इसे नेक्रोमेंसी कहते हैं।

नेक्रोस शब्द का मतलब मृत होता है। नेक्रोपोलिस, कब्रिस्तान, मृतकों का शहर। इसलिए, मृतकों से सलाह न लें।

जो कोई ऐसे काम करता है, वह यहोवा के सम्मुख घृणित है। व्यवस्थाविवरण 18:12 18:14 जिन जातियों को तुम निकाल दोगे, वे उन लोगों की बातें सुनती हैं जो टोना-टोटका या भावी कहने वाले हैं। परन्तु तुम्हारे विषय में, यहोवा तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी है।

इसलिए, दूसरे शब्दों में, यदि कोई भविष्यवक्ता परमेश्वर का वचन बोलने, इस्राएल के परमेश्वर की ओर से बोलने, तथा भविष्यवाणी, जादू-टोना और भूत-विद्या का अभ्यास करने का दावा करता है, तो उसे झूठा मानकर खारिज कर दिया जाना चाहिए। यह कुछ-कुछ वैसा ही है जैसा यशायाह कहता है। यशायाह कहता है कि इन माध्यमों, शिक्षाओं, गवाही पर ध्यान न दें।

आपका इसराइल के ईश्वर के साथ सीधा संबंध है। और इसलिए, गुप्त ज्ञान, यही गुप्त ज्ञान का अर्थ है, गुप्त ज्ञान को शैतानी स्रोतों से सुरक्षित नहीं किया जाना था। इसने कई मायनों में इसराइल के धर्म को मूर्तिपूजक धर्मों से अलग कर दिया।

इस्राएल को ईश्वरीय रहस्योद्घाटन भविष्यवाणियों के माध्यम से नहीं बल्कि ईश्वर की आत्मा की शक्ति के माध्यम से प्राप्त हुआ जो भविष्यवक्ता के जीवन पर आई थी। भविष्यवक्ता धोखेबाज है और अगर वह इन अन्य चीजों को करता है तो वह प्रभु के नाम पर झूठी भविष्यवाणी करता है। यिर्मयाह 14 : 14.

तब यहोवा ने मुझसे कहा, "ये भविष्यद्वक्ता मेरे नाम से झूठी भविष्यद्वक्ताणी कर रहे हैं। मैंने उन्हें न तो भेजा है, न नियुक्त किया है, न उनसे कुछ कहा है। वे तुम्हारे लिए झूठे दर्शन, भविष्यवाणियाँ, मूर्तिपूजा और अपने मन की भ्रांतियाँ बता रहे हैं।"

या यिर्मयाह 23, 16 में एक और जगह। यिर्मयाह कहता है, "भविष्यद्वक्ता जो तुम्हारे विषय में भविष्यद्वक्ताणी कर रहे हैं उन पर कान मत दो। वे तुम्हें झूठी आशाओं से भर देते हैं।"

वे अपने मन से दर्शन बोलते हैं। इसलिए, यहाँ ध्यानपूर्वक अंतर पर ध्यान दें कि आप परमेश्वर का वचन नहीं बोल रहे हैं, बल्कि अपने मन से बोल रहे हैं। आपके मन में जो भ्रम हैं।

ठीक है, तो पैगम्बर ने इन दूसरी जड़ों की तलाश नहीं की। या तो भगवान ने बोला है, या नहीं बोला है। यह इतना ही सरल है।

सच्चे भविष्यद्वक्ताओं की विशेषताओं के बारे में यहाँ चौथा बिंदु है। सच्चे भविष्यद्वक्ताओं ने, दिन के अंत में, वास्तव में व्यावसायिकता को त्याग दिया। अब मैं पेशेवर होने के बीच अंतर करने की कोशिश करता हूँ, जो एक अच्छी बात है, और व्यावसायिकता, जो एक बुरी बात है।

व्यावसायिकता विशेष रूप से, मेरा मतलब है, यह उन सेवाओं पर केंद्रित है जिनके लिए आप भुगतान करते हैं। दूसरे शब्दों में, किराए पर किसी विशेषज्ञ को भुगतान की गई सेवाएँ। व्यावसायिकता अक्सर भौतिकवादी मुआवजे की अवधारणा के आसपास केंद्रित होती है।

मुआवजा किसी भी काम को करने की प्रेरणाओं में से एक है। उदाहरण के लिए, झूठे भविष्यद्वक्ता, राजा के वेतनभोगी सेवक थे। उन्हें वेतन मिलता था, इसलिए राजा, और हमेशा प्रलोभन यह था कि उसे वह चीजें दी जाएं जो वह सुनना चाहता था, न कि वह चीजें जो उसे जानने की जरूरत थी।

वैसे, यह सबसे मजबूत तर्कों में से एक है। क्यों, अगर आप किसी चर्च में जाते हैं जहाँ वे बाइबल की पूरी किताब के माध्यम से, व्याख्यात्मक रूप से उपदेश देते हैं, अगर आप इस प्रक्रिया में किसी के पैरों पर पैर रखते हैं, तो किसी को पता चल जाएगा कि आप मंच से उनके लिए निशाना नहीं साध रहे हैं। अगर आप केवल विषयगत या विषयगत रूप से उपदेश देते हैं, तो शास्त्र में कुछ बातें कहने से बचने की प्रवृत्ति होती है।

फिर, आप किसी बड़े दानकर्ता को तब परेशान करने से बच सकते हैं जब आपको पता हो कि संभावित उपदेश उसे परेशान कर सकता है। अब, भविष्यद्वक्ताओं के पास व्यावसायिकता की वह समस्या नहीं थी क्योंकि वे किसी के नौकर या नौकर नहीं थे। झूठे भविष्यद्वक्ताओं को किसी दूसरे व्यक्ति, जैसे कि राजा द्वारा अधिकार दिया जाता था, और उन्हें यह घोषणा करने के लिए नियुक्त किया जाता था कि राजा को क्या पसंद आएगा।

इसका एक बेहतरीन उदाहरण, बेशक, संख्या 22 में बालाम की कहानी है। यहाँ क्या हो रहा था? खैर, इस्राएल अभी तक वादा किए गए देश में नहीं बसा था, और उन्हें मोआब के इलाके से होकर

जाना था। आपको याद होगा कि वह इलाका मृत सागर के ठीक पूर्व में है और वहाँ से थोड़ा पूर्व की ओर जाता है।

यह काफी बड़ा क्षेत्र है। मूसा की मृत्यु माउंट नेबो पर हुई थी, जो मोआब में था, जहाँ से वादा किए गए देश का नज़ारा दिखता था।

बालाक, जो मोआब का राजा था, इस्राएलियों की इस बड़ी भीड़ के बारे में चिंतित था, जो उसके देश से गुजरने वाले थे। इसलिए, वह उन पर अभिशाप या अभिशाप डालना चाहता था। तो, वह क्या करता है? वह इस आदमी की सेवाएँ किराए पर लेता है जो नए नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अपना रास्ता बनाता है।

उसका नाम है बिलाम। बिलाम। और वह बिलाम को मेसोपोटामिया बुलाता है।

गिनती 22:7 में लिखा है, "मोआब के पुरनिये इस भविष्यवक्ता को लाने के लिए मेसोपोटामिया चले गए, और अपने साथ भविष्यवाणी करने की फीस भी ले गए। लेकिन बिलाम ने वह काम नहीं किया जिसके लिए उसे पैसे दिए गए थे। 22:18 में बिलाम कहता है, "चाहे बालाक मुझे अपना महल चाँदी और सोने से भरकर दे दे, फिर भी मैं अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा के विरुद्ध कुछ भी बड़ा या छोटा नहीं कर सकता।"

बेशक, वह अपना मुँह खोलता है, और वह इजरायल को शाप देने के बजाय कई बार आशीर्वाद देता है। और उस शानदार चौथे दैवज्ञ से उस व्यक्ति के शब्द निकले जिसे दूसरी शताब्दी में रब्बी अकीवा द्वारा मसीहा के रूप में पेश किया जा रहा था। और आपको 132-135 ई. में बार कोचबा याद होगा।

रोम के खिलाफ़ यहूदियों का दूसरा विद्रोह। और बार कोचबा, तारे का बेटा, सचमुच, रब्बी अकीवा द्वारा मसीहा के रूप में पेश किया जा रहा था। उसने बार कोचबा नाम क्यों रखा? संख्या 24:17 के कारण, याकूब से एक तारा निकलेगा, और इस्राएल से एक राजदंड निकलेगा।

और इसलिए, यह मार्ग, जिसे हमेशा मसीहाई निहितार्थों के रूप में समझा जाता रहा है, ऐसा लगता है कि दाऊद के दिनों में शत्रुओं पर विजय में इसकी प्रारंभिक पूर्ति हुई थी। लेकिन यहाँ, यीशु की मृत्यु के एक शताब्दी बाद ही, इस भविष्यवाणी को 1948 से पहले यहूदी स्वतंत्रता की अंतिम सांस से जोड़ा जा रहा है। क्योंकि जब रोम के खिलाफ़ यहूदियों का दूसरा विद्रोह दबा दिया गया, तो यहूदी लोगों को फिर कभी अपनी भूमि पर किसी भी शक्ति का अनुभव नहीं हुआ।

यह उनका अंतिम पराभव था या पराभव का प्रयास था। लेकिन, बेशक, रोम ने विद्रोह को कुचल दिया। इसलिए, बालाम, एक झूठे भविष्यवक्ता को भविष्यवाणी के लिए फीस दी गई।

अमोस ने इस बात से इनकार किया कि वह एक पेशेवर था, वह मुआवज़े के लिए सेवा करने की मौद्रिक इच्छा से ग्रस्त था। उसने कहा कि मेरे पास यूनियन कार्ड नहीं है। मैं कोई भविष्यवक्ता नहीं हूँ।

मैं किसी भविष्यवक्ता का बेटा नहीं हूँ। परमेश्वर ने मुझे भेड़ों का पीछा करने से बुलाया और कहा कि मेरे लोगों, इस्राएल के लिए भविष्यवाणी करो। तो, मेरा कहना यह है कि इस्राएल के भविष्यवक्ताओं ने इसे उड़ने दिया।

उन्होंने अपने पैरों पर पैर रखा। उन्हें उनकी सेवाओं के लिए भुगतान नहीं किया गया। पेशेवर होना, शब्द के सर्वश्रेष्ठ अर्थ में, एक बात है।

व्यावसायिकता से पीड़ित होना, जो अक्सर मौद्रिक मुआवजे और पुरस्कार पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है, बजाय इसके कि आप सेवा करने के लिए दिल से काम करें और इसे अपने लिए करें। मैं आपको पेशेवर होने और पेशेवर होने के बीच के अंतर का एक बढ़िया उदाहरण दूंगा। मैंने एक शादी देखी।

दरअसल, यह मेरी अपनी शादी थी। जब बोस्टन में रेडियो पर साप्ताहिक रूप से सुना जाने वाला एक प्रसिद्ध एकल कलाकार मेरी शादी में गाने के लिए नियुक्त किया गया था, तो अनुबंध के अनुसार, यह तय हुआ था कि इस व्यक्ति को अपनी खूबसूरत आवाज़ का इस्तेमाल करने के लिए इतना मानदेय मिलेगा, मेरी पत्नी के गलियारे में चलने से पहले गाना होगा। लेकिन समस्या यह है कि मेरी पत्नी गलियारे में चलने के लिए तैयार थी, लेकिन एकल कलाकार ने गाना नहीं गाया क्योंकि उसे भुगतान नहीं किया गया था।

और वह चाहती थी कि ऑर्गन के पहले नोट से पहले ही चेक हाथ में आ जाए। उस दिन मेरे ससुर के पास चेकबुक नहीं थी। इसलिए, एक दयालु देवर, जिसके पास किसी तरह से शादी में चेकबुक आ गई थी, ने चेक लिखकर दिया।

प्रवेशकर्ता ने चेक को एकल गायिका के पास लाया, जिसे पूरी मंडली के सामने देखा जा सकता था क्योंकि वह गायन मंडली के मंच के ऊपर खड़ी थी। उसे चेक दिया गया। उसने उसे मोड़ा, खोला और अपनी पॉकेटबुक में रख लिया।

उसे पैसे दिए गए। फिर उसने ऑर्गेनिस्ट को सिर हिलाकर इशारा किया। और हियर कम्स द ब्राइड की पहली धुन सुनाई दी।

मुझे संगीत सुनकर खुशी हुई, लेकिन शादी में थोड़ी देरी हुई जब तक कि उस ताड़ के पेड़ ने वह हरा सामान सुरक्षित नहीं कर लिया। हमेशा एक खतरा रहता है कि पैसे का मकसद या किसी को कुछ करने के लिए भुगतान की गई सेवाएँ खेल के प्यार को दबा देती हैं। आज मंत्रालय में न जाएँ जब तक कि आप लोगों से प्यार न करें, आप उस व्यक्ति की सेवा करना पसंद न करें जो आपके लिए मर गया, और आपकी सबसे बड़ी प्रेरणा यह विचार करना है, जैसा कि 1 शमूएल 12 कहता है, उसने आपके लिए क्या महान कार्य किए हैं।

इसीलिए आप उसकी सेवा करते हैं। परमेश्वर आपकी ज़रूरतों को पूरा करेगा, और जो मण्डलियाँ वास्तव में परमेश्वर के साथ तालमेल रखती हैं, वे उन ज़रूरतों को पूरा करने में दयालु होंगी और आगे बढ़ेंगी। लेकिन अगर आप इसे सिर्फ इसलिए करते हैं कि आपको इससे क्या

मिल सकता है, तो आप उसी समस्या में वापस जा रहे हैं जिसे इस्राएल के भविष्यवक्ताओं ने सबसे पहले उजागर किया था, यानी वे लोग जो मुआवज़ा या पैसे के लिए सेवा करते थे।

भविष्यवक्ताओं पर पवित्र आत्मा की शक्ति आती थी, और वे बोलते थे। बस इतना ही। उन्हें जो कहना था, उसके लिए उन्हें बहुत अधिक मुआवज़ा मिलना चाहिए था क्योंकि उनके पास कहने के लिए कुछ बहुत कठिन बातें थीं, लेकिन वे इसे रोक नहीं पाए क्योंकि वे जानते थे कि उनसे ऊपर कोई है, उनसे बड़ा है, उनसे अधिक शक्तिशाली है, जिसे वे प्रसन्न कर सकते हैं।

और इसलिए, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा सबक है। भविष्यवक्ताओं ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें बुलाया था, और उसने उनके मुँह में शब्द डाले थे। और यही असली मकसद है।

ठीक है, इस विषय पर कुछ और बातें हैं, लेकिन मैं ईश्वर की इच्छा से, हमारी अगली कक्षा में उनके बारे में बात करूँगा।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 3 है, सच्चे और झूठे भविष्यवक्ता।